कक्षा-ग्यारहवीं

विषय : हिंदी (आधार-302)

अंक योजना-वार्षिक परीक्षा (2023-24)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक-80**

सामान्य निर्देश : यदि परीक्षार्थी ने ऐसा कोई सही उत्तर लिखा हो जो इस उत्तर संकेत में न हो तो उसके भी यथासंभव अंक दिए जाएँ।

प्र.सं.	अपेक्षित मूल्यांकन बिंदु	निर्धारित अंक	कुल अंक
	खंड 'अ' (अपठित गद्यांश)		
1.	(i) (क) भेद-भाव व नफ़रत को मिटाकर	1	10
	(ii) (ख) परस्पर प्रेम-भाव उत्पन्न होगा।	1	
	(iii) (क) अवलोकन	1	
	(iv) (ग) कथन (i) और (iii) सही हैं।	1	
	(v) (घ) छल-कपट रहित हृदय में	1	
	(vi) (ख) शब्दों पर नियंत्रण	1	
	(vii) (क) माता-पिता	1	
	(viii) (ग) शांति व एकता को बढ़ावा देने वाले	1	
	(ix) (क) मानवीय एकता का	1	
	(x) (ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	1	
2.	(i) (क) निर्धनता	1	5
	(ii) (ग) आर्थिक असमानता	1	
	(iii) (ख) ईश्वर की सत्ता	1	

	(iv)	(ख)	भ्रष्टाचारी व्यवस्था में मात्र कागज़ी कार्यवाही से	1	
	(v)	(घ)	1-(iii), 2-(ii), 3-(i)	1	
3.	(i)	(ख)	संचार	1	5
	(ii)	(घ)	राजा हरिश्चंद्र	1	
	(iii)	(क)	स्टिंग ऑपरेशन	1	
	(iv)	(घ)	द्वारपाल	1	
	(v)	(क)	निष्पक्षता एवं तथ्यों की शुद्धता	1	
4.	(i)	(ग)	वह पढ़ने-लिखने को व्यर्थ का कार्य समझती है।	1	5
	(ii)	(ख)	सभी व्यक्तियों का शिक्षित होना।	1	
	(iii)	(क)	कठिनाई के समय काम आना।	1	
	(iv)	(घ)	निरक्षर ग्रामीण युवतियों का	1	
	(v)	(घ)	कथन (A) सहीं है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।	1	
5.	(i)	(क)	अपना काम निकलवाने के लिए रिश्वत देना	1	5
	(ii)	(ग)	वंशीधर को महत्व देकर काम निकलवाना	1	
	(iii)	(घ)	भ्रष्ट आचरण	1	
	(iv)	(क)	गद्दारी करना	1	
	(v)	(ख)	1-(iii), 2-(i), 3-(ii)	1	
6.	(i)	(ग)	चित्रपट संगीत	1	10
	(ii)	(क)	1-(iii),2-(i),3-(ii)	1	
	(iii)	(क)	गानपन	1	

	(iv)	(क) धातु के बर्तन को टोप की तरह पहनकर	1	
	(v)	(घ) (i), (ii) और (iii)	1	
	(vi)	(ग) राजस्थान में वर्षा के बाद मिट्टी में दरारें नहीं पड़ती।	1	
	(vii)	(क) दृढ़ इच्छा शक्ति हो तो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी सफलता संभव	1	
	(viii)	(ख) उसे अपनी बेटी की तरह समझना।	1	
	(ix)	(घ) आलो आँधारि-बेबी हालदार	1	
	(x)	(क) बेबी हालदार	1	
		खंड-ब (वर्णनात्मक प्रश्न)		
7.	विषयवस्तु		3	5
	प्रस्तुति		1	
	भाषा		1	
8.	विषयवस्तु		3	5
	प्रारूप		1	
	भाषा		1	
9.	(क) **डायरी की परिभाषा:**		2+2	4
	दैनिक जीवन में हम जिन घटनाओं, विचारों और गतिविधियों से निरंतर गुजरते हैं, उन्हें डायरी के पृष्ठों पर शब्दबद्ध कर लेना ही डायरी लेखन कहलाता हैं।		1	
	डायरी लेखक:			
	मोहन राकेश, रमेशचंद्र शाह, रामवृक्ष बेनीपुरी, राहुल सांकृत्यायन, गोविंददास, कर्नल सज्जन सिंह, डॉ. रघुवंश, गुजानन माधव मुक्तिबोध		½+½	

	(ख) • सभी तरह की वर्जनाओं से मुक्त होना। • इसके माध्यम से स्वयं से ही संवाद स्थापित होना। • इसके माध्यम से स्वयं को बेहतर तरीके से समझ पाना। • व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को कभी भी स्मरण कर पाना। • अपने जीवन की अच्छाई और बुराइयों से अवगत होना।		
	(ग) • फ़िल्म तथा दूरदर्शन की पटकथा में पात्र-चरित्र, नायक-प्रतिनायक, घटनास्थल, दृश्य, कहानी का क्रमिक विकास, द्वंद्व और समाधान आदि सभी कुछ होता है। • इसमें छोटे-छोटे दृश्य एवं विभिन्न घटनास्थल होते हैं। • इसकी कथा फ्लैशबैक अथवा फ्लैश फ़ॉरवर्ड तकनीक से प्रस्तुत की जा सकती है।		
10.	• व्यक्ति परिचय: आवेदक का नाम, जन्मतिथि, पिता का नाम, माता का नाम, पत्र व्यवहार का स्थाई पता, दूरभाष नंबर, ई-मेल एवं अन्य जानकारी। • शैक्षणिक योग्यता • अन्य संबंधित योग्यताएँ • उपलब्धियाँ • कार्येतर गतिविधियाँ और अभिरुचियाँ • उम्मीदवार के व्यक्तित्व से परिचित सम्मानित व्यक्तियों का विवरण	3	3
	अथवा **शब्दकोश की परिभाषा:** ऐसा ग्रंथ जिसमें शब्दों की वर्तनी, व्युत्पत्ति, व्याकरण निर्देश, अर्थ, परिभाषा, प्रयोग आदि जानकारी उपलब्ध हों। शब्दकोश एकभाषीय, द्विभाषिक या बहुभाषिक हो सकते हैं।		

		हिंदी वर्णमाला और शब्दकोश के वर्ण-क्रम में अंतर: • हिंदी वर्णमाला 'अ से प्रारंभ • लेकिन शब्दकोश का पहला खंड 'अ' खंड है। इसके बाद 'अ खंड', 'आ खंड', 'इ खंड' इत्यादि वर्णमाला के क्रम से ही आते हैं। • 'हिंदी वर्णमाला में संयुक्ताक्षर क्ष, त्र, ज्ञ, श्र वर्णमाला के अंत में आते हैं। • लेकिन शब्दकोश में ये उन वर्णों के अंत्याक्षर के साथ आते हैं।		
11.	(क)	• परमात्मा • इस सृष्टि में एक ही जल, वायु और ईश्वरीय ज्योति है। • सभी जीवों मे एक ही परमात्मा का अंश है। • सृष्टि के कण-कण में ईश्वर का वास है। वह सर्वव्यापक है। • मिट्टी से बनने वाले बर्तनों की भाँति हमारी शक्ल अलग-अलग लेकिन आत्मा एक। यह आत्मा ईश्वर प्रदत्त है। • लकड़ी में समाहित अग्नि तत्व के माध्यम से।	3+3	6
	(ख)	• कवि द्वारा लोगों को समाज में क्रांति के लिए प्रेरित करना। • जनता राजनीतिक व्यवस्था से पूर्ण रूप से निराश। • शासन व्यवस्था के शोषक रूप से अवगत करवाना। • जनता द्वारा शोषण नीति को ही अपना भाग्य समझना। • शोषित लोगों के मन में क्रांति की ज्वाला सुलगाना।		
	(ग)	• संथाली समाज में शिक्षा की कमी है। • शहरी जीवन के प्रभाववश अपनी ही संस्कृति को भुलाना। • जीवन में उत्साह की कमी झलकना।		

		• लोगों का शराब की ओर अत्यधिक झुकाव। • अपने अस्त्र-शस्त्रों का त्याग करना। • आत्मविश्वास का अभाव।		
12.	(क)	• मीरा ने कृष्ण भक्ति को 'आनंद फल' कहा है। • वह सदैव विरह की अग्नि में जलती रही, लेकिन फिर भी उन्होंने अपने हृदय में भक्ति की प्रेम-बेल को अंकुरित किया। अब उसी बेल को विरहाश्रुओं से सींच-सींचकर बड़ा कर दिया। उस बेल के बढ़ने पर अर्थात् कृष्ण की भक्ति हृदय में स्थायी हो जाने पर, उन्हें आनंद फल की प्राप्ति हुई।	2+2	4
	(ख)	• कवि का परिवार के प्रति घनिष्ठ प्रेम। • भाई-बहन और माता-पिता का स्मरण। • कारागार में भी माता-पिता के दुख का आभास। • कवि द्वारा कारागार से माता-पिता को सुखद जीवन जीने का झूठा संदेश देना, ताकि वे और अधिक दुखी न हों।		
	(ग)	कवयित्री अपने आराध्य चन्नमल्लिकार्जुन देव अर्थात् भगवान शिव का संदेश लेकर आई हैं, क्योंकि शिव का संदेश कल्याणकारी है। जो भी प्राणी अपनी इंद्रियों को वश में करके, सच्चे हृदय से उनकी भक्ति करते हैं, उन्हें सांसारिक भवसागर से मुक्ति मिल जाती है। प्रत्येक प्राणी को जीवन में ऐसा अवसर नित्य प्राप्त नहीं होता। अतः उसे इस अवसर को छोड़ना नहीं चाहिए।		
13.	(क)	सत्यजीत राय द्वारा इस फ़िल्म का निर्माण किसी तपस्या से कम नहीं क्योंकि	3+3	6

		• लंबे समय तक बारिश की प्रतीक्षा करना। • मृत पात्रों (भूलो नामक कुत्ता, श्रीनिवास) के विकल्प खोजना। • पागल एवं सनकी व्यक्तियों की हरकतों को सहना। • धन का अभाव। • दृश्य को फ़िल्माने के लिए स्थान का चयन करना। • काशफूलों का एक वर्ष तक इंतजार करना। • (पाठ से संबंधित अन्य तथ्य भी स्वीकार्य)		
	(ख)	• शिक्षा का व्यवसायीकरण • ट्यूशन का माया जाल • शिक्षा के प्रति अधिकारियों की उदासीनता। • आम जनता द्वारा अन्याय का विरोध करने की आवश्यकता।		
	(ग)	• सरकारी कर्मचारियों द्वारा आपस में एक-दूसरे पर काम टालने की प्रवृत्ति। • लाल फीताशाही से कार्य को लंबा खींचना। • अफ़सरशाही और चमचागिरी के कारण छोटे से छोटे कार्यों का न हो पाना। • जवाबदेही एवं जिम्मेदारी से बचना।		
14.	(क)	• राजकुमार ने अपनी विपदा के कुछ वर्ष नवरगढ़ राज्य में गुजारे। • वहाँ से जाते समय नवरगढ़ की भूमि तथा उसके निवासियों के प्रति असीम स्नेह प्रकट किया। • उन्होंने कहा कि प्यारे नरवरगढ़। मेरा प्रणाम स्वीकार लें। आज मैं तुझसे जुदा होता हूँ। तू मेरा अन्नदाता है। अपनी विपदा के दिन मैंने यहाँ काटे हैं। तेरे ऋण का बदला मैं गरीब सिपाही नहीं दे सकता। भाई	2+2	4

नरवरगढ़! यदि मैंने जानबूझकर एक दिन भी अपनी सेवा में चूक की हो, यहाँ की प्रजा की शुभ चिंता न की हो, यहाँ की स्त्रियों को माता और बहन की दृष्टि से न देखा हो तो मेरा प्रणाम न ले, नहीं तो प्रसन्न होकर एक बार मेरा प्रणाम ले और मुझे जाने की आज्ञा दे!

(ख)
- गाँव के परंपरागत समाज का चित्रण।
- ब्राह्मणों द्वारा स्वयं को अन्य जाति के व्यक्तियों से श्रेष्ठ समझना।
- ब्राह्मणों का अन्य जाति के व्यक्तियों के साथ बैठना मर्यादा के विरुद्ध मानना।
- शहर में कृत्रिम जीवन शैली।
- बेरोज़गारी की समस्या।
- आर्थिक समस्या के कारण बच्चे पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर। (पाठ से संबंधित अन्य तथ्य भी स्वीकार्य) (समग्र के आधार पर)

(ग)
- कार्य को महत्व देना
- पूर्ण आत्मविश्वास
- पेशे के प्रति लगाव
- शार्गिदों का सम्मान करना
- बातचीत की आकर्षक शैली
- शार्गिदों का शोषण न करना
- कारीगरों को समय पर वेतन देना (समग्र के आधार पर)

15.	(क)	• लता जी के जैसा कोमल, नादमय कंठ किसी अन्य गायिका का न होना। • लताजी के संगीत में जो मधुरता, मिठास, सुरीलापन और गानपन है, वह लोगों को संगीत से सीधा जोड़ देता है। • लताजी की गायकी ने संगीत को एक नई दिशा प्रदान की। • लता अपनी गायकी के कारण नूरजहाँ से भी अधिक लोकप्रिय हुई। • उनके समक्ष कोई भी पार्श्व गायिका नहीं ठहर पाई। • लगभग आधी शताब्दी तक जन-मन पर प्रभुत्व। **अथवा** • लोगों को पानी उपलब्ध करवाने में चेजारो की अहम भूमिका। **पहले:** • कार्य पूर्ण होने पर चेजारों को अनेक भेंट देते थे। • वर्ष भर त्योहार, विवाह जैसे मंगल अवसरों पर नेग व भेंट देना। • फसल पकने पर अनाज देना। **आज:** • केवल मज़दूरी देकर ही काम करवाने का रिवाज़। • चेजारों के प्रति सम्मान-भाव में कमी। • कार्य करवाने के उपरांत उनके प्रति कोई आत्मीय संबंध नहीं।	3	3